मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष

प्रदेश भर में चलेगा सेवा संकल्प अभियान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मध्य प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगणों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों में विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में हुए कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए अभियान के दौरान व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने सभी मंत्रियों से अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में देश की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहने पर प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत थी और प्रधानमंत्री की नीतियों के परिणामस्वरूप देश तेजी से प्रगति कर रहा है।

7.8 प्रतिशत वृद्धि दर पर मुख्यमंत्री ने जताया गर्व

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में देश की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज होना देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जनकल्याणकारी योजनाओं और जनहितैषी गतिविधियों से आर्थिक समृद्धि बढ़ रही है तथा वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा और पहचान भी मजबूत हो रही है।

जन-विश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार 'न देरी, न दूरी' के सिद्धांत पर काम कर रही है। मंत्रीगणों से योजनाओं और विकास कार्यों की निरंतर निगरानी करने तथा विभिन्न समुदायों के साथ संवाद बनाए रखने का आग्रह किया गया।

मुख्यमंत्री ने दी मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि

सफलता के साथ विनम्रता की नसीहत

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों की वास्तविक सफलता केवल अच्छे अंक और प्रमाण-पत्र हासिल करने में नहीं, बल्कि संस्कार, विनम्रता, अनुशासन और बेहतर व्यक्तित्व में भी निहित होती है। सफलता मिलने पर अहंकार से बचना चाहिए और असफलता से सीख लेकर नए उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

डॉ. यादव मंगलवार को राज्य स्तरीय प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के लगभग 1.22 लाख मेधावी विद्यार्थियों के बैंक खातों में लैपटॉप खरीदने के लिए 304 करोड़ 98 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लैपटॉप केवल एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान, नवाचार और नई संभावनाओं का प्रवेश-द्वार है। विद्यार्थियों को इसका उपयोग अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लाइब्रेरी, शोध और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए करना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जिस प्रकार मूर्तिकार पत्थर में छिपी प्रतिमा को तराशता है, उसी प्रकार शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उनके व्यक्तित्व को निखारते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को भविष्य में निवेश मानती है और विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तक, गणवेश, साइकिल, स्कूटी, छात्रवृत्ति तथा लैपटॉप जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। सरकार का प्रयास है कि आर्थिक अभाव किसी प्रतिभाशाली विद्यार्थी के सपनों के बीच बाधा न बने। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम, धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ उन्हें प्राप्त करने का आह्वान किया।

आचार्य तरुण सागर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्य तरुण सागर जी महाराज की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि संत शिरोमणि, जैन मुनि, श्रद्धेय तरुण सागर जी के सार्थक, सृजनात्मक और सकारात्मक दिशा देने वाले प्रवचन सदैव सत्य का बोध कराते हैं और मानव कल्याण के लिए संदेशों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं।

इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद की जयंती पर नमन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस्कॉन के संस्थापक, अभयचरणारविंद भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद जी की जयंती पर सादर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि स्वामी प्रभुपाद जी ने असंख्य श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के मार्ग पर अग्रसर कर लोककल्याण की प्रेरणा दी। श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान के लिए समर्पित स्वामी प्रभुपाद जी के जीवन से सदैव मार्गदर्शन मिलता रहेगा।

ग्रुप-2 सब ग्रुप-3 भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित

नप्र, भोपाल : कर्मचारी चयन मंडल ने ग्रुप-2 सब ग्रुप-3 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2025 का परिणाम जारी कर दिया है। यह परीक्षा प्रदेश के 43 विभागों में 454 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की गई थी। इसमें स्वच्छता निरीक्षक, कनिष्ठ रेशम निरीक्षक, फील्ड ऑफिसर, बायोमेडिकल इंजीनियर, तकनीशियन और नापतौल निरीक्षक सहित विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक पद शामिल हैं। मंडल ने परीक्षा का आयोजन 28 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक प्रदेश के 11 शहरों में ऑनलाइन माध्यम से कराया था। परीक्षा के लिए 52,860 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 21,144 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 31,716 अनुपस्थित रहे। परिणाम निर्धारित न्यूनतम अंकों के आधार पर तैयार किया गया है। अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तथा दिव्यांग श्रेणी के लिए 40 प्रतिशत अंक तय किए गए थे। समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को वरीयता दी गई है। चयन प्रक्रिया के दौरान संबंधित विभाग अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे।

मंत्रियों ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह और मंत्री दिलीप अहिरवार ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं और सुझाव सुने। इस दौरान पार्टी के प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत भी उपस्थित रहे। मंत्रीद्वय ने कार्यकर्ताओं द्वारा उठाए गए विभिन्न मामलों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। जिन प्रकरणों का निराकरण मौके पर संभव था, उनमें तत्काल कार्रवाई कर समाधान कराया गया। वहीं, विस्तृत प्रक्रिया वाले मामलों को आवश्यक कार्रवाई और शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री और नितिन नबीन के बीच समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने उन्हें मध्यप्रदेश में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न विभागों द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने के लिए किए जा रहे नवाचारों एवं प्रयासों से भी अवगत कराया। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात कर मध्यप्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक में जल संरक्षण, जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और विभिन्न जल परियोजनाओं की प्रगति पर विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में जल संसाधनों के विकास और संरक्षण को गति मिल रही है।

• साहब की खुशी, हम सबकी खुशी

पिछले दिनों मंत्रालय से दूर एक जिले में पदस्थ साहब ने जिले में पहुंचते ही जमीन-आसमान एक कर सभी सरकारी योजनाओं का पूरा-पूरा फायदा आम जनता तक पहुंचाने का अभियान चलाया। लेकिन साहब का जनकल्याणकारी कार्य कुछ लोगों को पसंद नहीं आया। उन्होंने ऊपर गुहार लगाई। साहब ने भी अब अपना अभियान बंद कर दिया है। कुछ लोगों के पूछने पर साहब ने कहा कि साहब की खुशी में हम सबकी खुशी।

• पद से बड़ा भरोसा

राजधानी में बहुत से बड़े-बड़े अफसर हैं, लेकिन कुछ अधिकारी अपने कार्य-व्यवहार, स्वभाव और आचरण के कारण अपना अलग स्थान बनाने में सफल रहते हैं। पिछले दिनों एक संस्थान में शीर्ष मुखिया द्वारा एक दिव्यांग कर्मचारी से सीढ़ी पर बैठकर चर्चा करना और उसकी समस्या का समाधान करना मानवीय सरोकार एवं आम आदमी के लिए अच्छा संदेश है।

• साहब की यात्रा और जिम्मेदारी

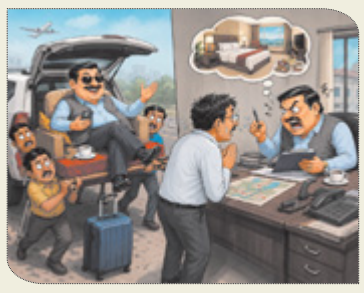

पिछले दिनों एक बड़े साहब दौरे पर गए। उन्होंने पूरा-पूरा इंतजाम अपने विभाग के कारकूनों से करवाया। मध्य प्रदेश में तो साहब की दादागिरी सभी सहयोगी अधिकारी-कर्मचारी बर्दाश्त कर लेते हैं, लेकिन दूसरे राज्य में यह संभव नहीं हो सकता। यही कारण है कि साहब भ्रमण से लौटकर संबंधित को धन्यवाद की जगह सुविधाओं की कमी और अव्यवस्था का उलाहना देते हुए नजर आए।

• बंगलों में काम की प्रतिस्पर्धा

कभी एक ही जिले में अलग-अलग समय में कलेक्टरी करने वाले साहब इन दिनों भोपाल में सरकारी बंगलों में आसपास ही रहते हैं। जिले में कलेक्टर रहते चली आ रही प्रतिस्पर्धा अभी भी जारी है। यदि एक साहब के बंगले में पांच लाख का रिनोवेशन हुआ है तो तत्काल दूसरे साहब भी एड़ी-चोटी का जोर लगाकर अपने बंगले में भी काम कराते हैं। दोनों साहबों की पुरानी प्रतिस्पर्धा से लोक निर्माण विभाग के अधिकारी परेशान हैं।

• देशी की फरमाइशें

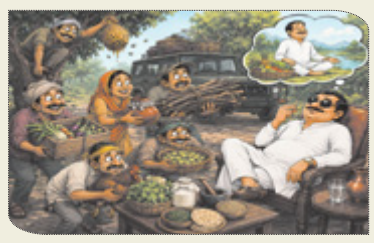

इन दिनों एक बड़े साहब अपनी सेहत को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्हें कुछ निशुल्क सलाह देने वाले साथियों ने देशी उत्पादों को ग्रहण करने का सुझाव क्या दिया, साहब सुबह से लेकर शाम तक पानी से लेकर सब्जी, गेहूं, दूध, दाल, चावल सहित हर चीज देशी ही खा रहे हैं। उनके विभाग के कुछ कर्मचारियों की जिम्मेदारी है कि घने से घने जंगलों से ढूंढकर देशी खाद्य सामग्री उन्हें उपलब्ध कराई जाए।

• मैडम की सोशल मीडिया गिरी

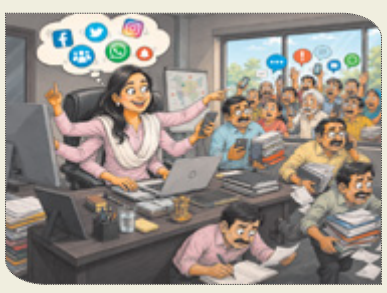

युवा हैं और कलेक्टरी मिलते ही कुछ कर गुजरने की तमन्ना लेकर जिले में सक्रिय हुईं मैडम साहिबा। सभी कर्मचारियों को फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम सहित वाट्सऐप समूहों पर नजर रखने तथा कोई भी समस्या हो, जिले की जनता की तत्काल उन तक पहुंचाने एवं समस्या का समाधान करने की कोशिश बहुत सार्थक है। लेकिन बड़े साहब के चक्कर में जिले के अन्य साहबों को भी काम करना पड़ रहा है।

ट्विशा शर्मा मौत मामले की सुनवाई विशेष अदालत में होगी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के चर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई अब विशेष न्यायाधीश की अदालत में होगी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने मामले को विशेष न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी की अदालत में स्थानांतरित कर दिया है।

अधिवक्ता अंकुर पांडे के अनुसार, इसी विशेष अदालत ने पूर्व में गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत दी थी। बाद में जबलपुर उच्च न्यायालय ने जमानत रद्द कर दी थी, जिसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया। इसके बाद से गिरिबाला सिंह जेल में हैं।

उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आरोपपत्र पेश होने के बाद निचली अदालतों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर

पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और बेटे समर्थ के खिलाफ आरोपपत्र पर आगे बढ़ेगी कार्रवाई

आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का प्रयास करना होता है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने 17 अगस्त को भोपाल की अदालत में गिरिबाला सिंह, उनके बेटे और ट्विशा के पति समर्थ के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपपत्र के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ट्विशा के शरीर पर किसी गंभीर चोट के निशान नहीं पाए गए थे। हालांकि इससे पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल की प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत से पहले शरीर पर छह चोटों के निशान दर्ज किए गए थे।

स्वयं पाठ्यक्रमों में पंजीयन 15 तक

नप्र, भोपाल : डिजिटल शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से स्वयं पोर्टल पर जुलाई 2026 सत्र के गैर-एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों में पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है। पहले यह तिथि 31 अगस्त निर्धारित थी। इससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से जुड़ने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। स्वयं पोर्टल पर जुलाई सत्र के लिए 1700 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के तहत विद्यार्थी अपने नियमित डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के एक सत्र में 40 प्रतिशत तक ऑनलाइन क्रेडिट पाठ्यक्रम स्वयं के माध्यम से कर सकते हैं। इससे उन्हें बहुविषयक अध्ययन और नए विषयों में ज्ञान अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

राज्यपाल से मिले कांग्रेस विधायक

विजय शाह मामले में अभियोजन मंजूरी की मांग

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान के मामले में मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी से जुड़े प्रस्ताव के विरोध में कांग्रेस विधायक मंगलवार को राज्यपाल मंगू भाई पटेल से मिले। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधायक आरिफ मसूद और सुरेश राजे के साथ राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मामले में पुनर्विचार करने की मांग की। राज्यपाल से मुलाकात के बाद उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार अपनी बदनामी से बचने के लिए राज्यपाल को बीच में ला रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कैबिनेट के पास विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति देने और उन्हें मंत्री पद से हटाने का अधिकार है तो सरकार ने कार्रवाई क्यों नहीं की। श्री सिंघार ने कहा कि महिला अधिकारी के अपमान के बावजूद सरकार और भाजपा नेताओं ने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने इसे प्रदेश और देश की बेटी के सम्मान से जुड़ा मामला बताया। कांग्रेस ने राज्यपाल से कैबिनेट के प्रस्ताव पर पुनर्विचार कर सरकार को मंत्री के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की।

समीक्षा *ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के काम में तेजी के निर्देश...*

शहपुरा-भिटौनी टोल संग्रह पर अस्थायी रोकः राकेश सिंह

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा प्रदेश में संचालित निर्माणाधीन और प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव, निर्माण गुणवत्ता, सड़क सुरक्षा और वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत पर विशेष चर्चा हुई। श्री सिंह ने भोपाल-इंदौर और उज्जैन-झालावाड़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की

जाएगी।

जबलपुर रिंग रोड के निर्माण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि पांच पैकेजों में काम चल रहा है। मंत्री ने चार पैकेज दिसंबर 2026 तक और शेष पैकेज जून 2027 तक पूरा करने के निर्देश दिए। जिन कार्यों की गति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, उनमें तेजी लाने को कहा गया। भोपाल-जबलपुर मार्ग पर शाहपुर रेलवे ब्रिज क्षतिग्रस्त होने से यातायात डायवर्ट किया गया है। इसके कारण शहपुरा-भिटौनी टोल नाके पर टोल वसूली को लेकर स्थानीय लोगों में असंतोष था। मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए यहां अस्थायी रूप से टोल संग्रह बंद करने के निर्देश दिए।

बैठक में जबलपुर-दमोह मार्ग की मरम्मत जल्द शुरू कराने पर भी जोर दिया गया। वहीं उज्जैन-गरोठ मार्ग के निर्माण में सामने आई गुणवत्ता संबंधी शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मंत्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास केवल नई सड़कें बनाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। सड़कों की गुणवत्ता, नियमित रखरखाव, समयबद्ध निर्माण और सड़क सुरक्षा पर भी बराबर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत में देरी नहीं करने और सभी परियोजनाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com